मीनू बुधिया की यात्रा - एक 'स्पेशल मां' का सामाजिक प्रभाव

कोलकाता : कई सारे क्षेत्रों में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाली उद्यमी, मनोचिकित्सक व स्तंभकार मीनू बुधिया की वेबसाइट **www.minubudhia.com** शुक्रवार को लांच किया गया। इस मौके पर ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर **निक लो** विशेष अतिथि के तौर पर मौजूद थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वे अधिकतर महिलाओं के लिए एक मिसाल हैं। मीनू बुधिया ने इस लांच को अपने स्वर्गीय पिता, ग्लासगो के नायक को डेडिकेट किया। इस मौके पर मीनू ने कहा कि असम के तिनसुकिया में एक छोटे शहर की लड़की, जो डॉक्टर बनना चाहती थी से आज मैं यहां हूं - मेरी जिंदगी उतार-चढ़ाव वाली यात्रा रही है। मैं खुशनसीब हूं कि कई चुनौतियों की तरह मुझे कई आशीर्वाद भी मिले हैं। मेरे पास एक उत्साह बढ़ाने वाले मेरे पति संजय बुधिया हैं जो मेरी ताकत का स्तंभ हैं और मेरे पंख की ताकत हैं। मेरी दो प्यारी बेटियाँ हैं। प्राची, मेरी छोटी प्यारी, मेरी ताकत और मेरी प्रेरणा है। एडीएचडी, लो आईक्यू और बाइपोलर डिसऑर्डर से प्रसित एक विशेष आवश्यकता वाली बच्ची मेरी सामाजिक पहल के पीछे की वजह है जो मेरे साथ उसकी यात्रा को ट्रिब्यूट है। मीनू केयरिंग माइंड्स (मानसिक स्वास्थ्य संस्थान), आईकैनफ्लाई(विशेष संस्थान) की संस्थापक निदेशक तथा कैफे आईकैनफ्लाई (दिव्यांगों का सशक्तीकरण) की संस्थापक हैं। वह पैटन ग्रुप तथा एडलाइफ फिटनेस एंड स्पा में निदेशक भी हैं। वेबसाइट

उद्यमी, मनोचिकित्सक व स्तंभकार मीनू बुधिया के वेबसाइट लांच के मौके पर ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर निक लो केक काटते हुए

लॉन्च के दो मुख्य आकर्षण फायरसाइड चैट थे। पहला निक लो के साथ बातचीत थी जहां मीनू ने मानसिक स्वास्थ्य पर सवालों के जवाब दिए, उनकी चुनौतियां, उनकी दृष्टि और उनकी भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया। दूसरा एक उनकी बड़ी बेटी प्रियम बुधिया (हेड-न्यू इनिशिएटिव्स, केयरिंग माइंड्स) द्वारा आयोजित एक रैपिड फायर राउंड था, इसमें हमें पर्दे के पीछे की मीनू के बारे में पता चला।